

# शाही परंपरा के साथ शान से नगर परिक्रमा को निकली गणगौर माता की सवारी



उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को जनानी ड्योढ़ी में विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की।



गणगौर माता की सवारी को देखने के लिये जयपुर शहर के परकोटे में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

**जयपुर।** राजस्थान की शाही परंपरा, लोक संस्कृति और आस्था का प्रतीक गणगौर महोत्सव 2025 इस बार और भी भव्यता के साथ मनाया गया। त्रिपोलिया गेट से शाही लवाजमे के साथ निकली गणगौर माता की सवारी ने समूचे शहर को उत्सवमय बना दिया। देशी-विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ इस ऐतिहासिक सवारी को देखने के लिए उमड़ी और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से अनुभव किया।

इस वर्ष पहली बार सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेशभर में लगी 200 एलईडी स्क्रिन्स के माध्यम से गणगौर महोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया, जिससे वे

**इस बार शोभायात्रा में लोक कलाकारों की संख्या को बढ़ाकर 250 कर दिया गया**

**पुलिस बैट और घूमर नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया**

श्रद्धालु भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बन सके जो स्वयं सवारी में सम्मिलित नहीं हो पाए। इसके अलावा, पर्यटन विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इस आयोजन का लाइव प्रसारण किया गया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उषेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जयपुर के पूर्व राजपरिवार की महिला सदस्यों ने जनानी ड्योढ़ी में विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात गणगौर माता की सवारी निकली, जिसे पूर्व राजपरिवार के महाराज सवाई पद्मनाभ सिंह ने त्रिपोलिया गेट पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नगर

परिक्रमा के लिए रवाना किया। माता के स्वागत में श्रद्धालुओं ने 'भवंग दहाने पूजा' दे गणगौर' और 'छोल दे गणगौर' माता खोल किवाड़ी' जैसे लोकगीतों की गूंज से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस बार शोभायात्रा में लोक कलाकारों की संख्या को 150 से बढ़ाकर 250 कर दिया गया। इसके साथ ही सजी-धजी पालकियों, ऊंटों, घोड़ों और हाथियों के लवाजमे को और अधिक भव्य बनाया गया है। सिटी पैलेस से निकलने वाले शाही लवाजमे की संख्या में भी 50 फीसदी की वृद्धि की गई है।

3 अतिरिक्त हाथी, 12 घोड़े (लांस पर चढ़ाए गए), 6 सजे-धजे ऊंट और 2 विक्टोरिया बगी शामिल की गई। परंपरागत अनुयायियों के साथ पंखी, अडानी एवं चढ़ी धारक समेत कुल 24 व्यक्तियों का दल उपस्थित रहा।

अरवाड़ा संप्रदाय के अनुयायियों ने अपनी विशेष पारंपरिक प्रस्तुति दी। गणगौर माता के स्वागत हेतु तीन भव्य मंच तैयार किए गए। दो मंचों पर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हुईं, जबकि तीसरे मंच पर व्यापार मंडल के सदस्य और महिलाएं माता की पूजा और पुष्पवर्षा करतीं दिखाईं।

पुलिस बैट और घूमर नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई।

ड्योन के माध्यम से पुष्पवर्षा कर माता की शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के समापन पर तालकटोरा में राजस्थानी लोक कलाकारों ने विशेष प्रस्तुतियां दीं।

हिन्दु टोल टैरिसे पर 500 पर्यटकों के बैठने की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें 200-300 विदेशी पर्यटकों के लिए अतिरिक्त स्थान निर्धारित किया गया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उषेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और इसे वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। गणगौर महोत्सव न केवल आस्था और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी एक अनूठा माध्यम बन रहा है।

# 'बिल्डर व बैंक की मिलीभगत से आवंटियों के हित नहीं होंगे प्रभावित'

**जयपुर।** राजस्थान रेरा अपीलैट अधिकरण ने यूनिबैंक बैंक ऑफ इण्डिया व जमीन मालिक की ओर से दायर की गयी अपील याचिका को खारिज कर रेरा के आदेश को यथावत रखा गया। अधिकरण ने माना कि यदि बैंक द्वारा बिल्डर से मिलीभगत कर गलत तरीके से प्रोजेक्ट पर लोन स्वीकृत किया है तो इससे आवंटियों के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे। अधिकरण के पीठासीन अधिकारी युधिष्ठिर शर्मा एवं राजेश कुमार ने यह आदेश अहिंसा संकलित स्थित आवासीय बिल्डिंग सनराइजर्स के संदर्भ में दिया।

बिल्डिंग के आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि सनराज प्रोजेक्ट एसएनजी रियल एस्टेट की ओर से साल 2014 में शुरू किया गया था। जिसमें फ्लैट बुल करवाकर आवंटियों ने करोड़ों रुपये का भुगतान बिल्डर को कर दिया। वहीं कई आवंटियों ने बैंकों से लोन भी लिया। वहीं साल 2016 में बिल्डर ने आन्ध्र बैंक में प्रोजेक्ट की बिल्डिंग को गिरवी रखकर 15 करोड़ रुपये का लोन ले लिया और बाद में लोन राशि को खुद-

बुर्द कर दिया गया। बिल्डर द्वारा लोन को ना चुकाये जाने पर प्रोजेक्ट की बिल्डिंग को बैंक ने अपने कब्जे में ले लिया गया व आवंटियों के फ्लैटों को नीलामी कर राशि वसूलने का प्रयास किया गया। आवंटियों को शिकायतों पर रेरा द्वारा बैंक की नीलामी प्रक्रिया को रद्द कर प्रोजेक्ट को अपने कब्जे में लेकर इमारत को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस आदेश की अपीलवी अधिकरण के समक्ष चुनौती दी गयी। जिसने अधिकरण ने यह माना की आवंटियों सद्भावी क्रेता है। जिसने इकरारनामा करने के बाद लाखों रुपये की राशि बिल्डर को अदा की गयी है व उन्हें अपने फ्लैट प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है। गौरतलब है कि इस प्रकरण में बैंक द्वारा पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में बैंक को रेरा के क्षेत्राधिकार में होने एवं रेरा के कानून को सरफेसी एक्ट के प्रावधानों से सर्वोपरि होने का निर्णय दिया। जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी सही ठहराया व बैंक को याचिका को खारिज कर दिया गया।

# मत्स्य जयंती का आयोजन

**जयपुर।** मत्स्य युवा मंच की ओर से मत्स्य जयंती के उल्लेख में, देरा श्री शिक्षण सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय में मीणा समाज द्वारा, श्री श्री 108 बालक दास महाराज के सान्निध्य में मत्स्य जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें जनवा रामगढ़ विधायक महेंद्र पाल द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण, मीणा इतिहास लेखन, मीणा इतिहास को राजस्थान एजुकेशन बोर्ड में जोड़ने व जनजाति के विकास को लेकर युवाओं को शिक्षा और खेलों में

आगे आने को कहा। वही कार्यक्रम में भाजपा वक्ता पंकज मीणा ने कहा कि मत्स्य जयंती पर अवकाश कि घोषणा कि जाये, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, प्रोफेसर सोहनलाल मीणा ने अपने विचार रखे। संत बाबाक दास ने समाज को अपने धर्म, संस्कृति और अपनी परम्पराओं से जुड़े रहने के लिए कहा, उन्होंने कहा अगर युवाओं को संस्कार देने हैं और समाज का विकास करना है तो हमारे धार्मिक ग्रंथों से जुड़े रहना होगा।

# आर्थिक तंगी और गृह क्लेश के चलते पत्नी सहित विधवा चाची की हथौड़ा मारकर हत्या

**जयपुर।** करघनी थाना इलाके में सोमवार को एक युवक ने अपनी पत्नी सहित विधवा चाची की हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। वहीं इसके बाद आरोपी ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक ने अपने बेटे पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन वह बचकर बाहर भाग गया। इधर बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़कर आए और पूरा मंजर देख को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्थिक तंगी और गृह क्लेश के चलते

**हत्या करने के बाद आरोपी ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली**

था और सोमवार को दोपहर को घर आया और सबसे पहले पत्नी सुनीता कुमावत (33) पर हथौड़े से हमला किया। सुनीता के चीखने की आवाज सुनकर पास के कमरे में बैठा बेटा यांश कुमावत (9) भागकर आया तो वह फर्श पर गिरी पड़ी थी। आरोपी ने बच्चे पर भी हथौड़े से वार किया। शोर होने पर विधवा चाची मधु कुमावत (55) कमरे से बाहर आई और यांश

को पकड़कर पीछे किया तो आरोपित पंकज ने चाची पर हथौड़े से वार कर दिया। मौका मिलने पर यांश घर से बाहर भाग गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बच्चे को चिल्लाता देख कर कॉलोनी के लोग दौड़ते हुए घर की तरफ आए। इसी दौरान पंकज ने कमरे में चुसकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि पड़ोसियों ने घर में देखा तो फर्श पर खून से सनी दो लाशें पड़ी थी और पंकज का शव फंदे से झूल रहा था। इस बाद पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना

# मुख्यमंत्री ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के पोस्टर का विमोचन किया



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को उनके निवास पर श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

शर्मा से महामण्डलेश्वर मनोहरदास महाराज ने मुलाकात की। इस दौरान 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय

हुनुमत् जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री ने 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली "एक जुलूस एक हम, आओ करे महावीर वन्दन" शोभायात्रा तथा श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान इन संगठनों ने अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठनों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

# 30 साल से बंद रास्ता खुला तो 10 कि.मी. कम हो गई लसाड़िया से चकवाड़ा की दूरी

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर जिले में संचालित रास्ता खाले अभियान अब ग्रामीणों के लिए खरदान बना जा रहा है। फागी के लसाड़िया पंचायत के गड्डा से चकवाड़ा तक की दूरी 10 किलोमीटर कम हुई तो करीब 5 हजार ग्रामीणों की राह आसान हो गई। प्रशासन ने ना केवल 30 साल पुराना रास्ता खुलवाया बल्कि इस रास्ते पर प्रेवल सड़क बनाने का भी काम जारी है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निदेशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभान्वित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 63 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 4 महीनों में गांवों, खेतों और हाथियों के बरसों से बंद 863 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 28 मार्च 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 70 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 40 रास्तों पर प्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निर्माण कार्य जारी है।

वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 36 रास्ते, जमवारासगढ़ तहसील में 38 रास्ते, आंधी तहसील में 34 रास्ते, बस्सी तहसील में 41 रास्ते, तूंगा तहसील में 39 रास्ते खुलवाए गए।

# डिस्कॉम से राज्य सेवा में आए कर्मचारी को भी मिले पे प्रोटेक्शन व पूर्व सेवा लाभ : हाईकोर्ट

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी की सेवा से जुड़े मामले में कहा है कि डिस्कॉम से राज्य सेवा में आए कर्मचारी भी पूर्व सेवकाल के लाभ व पे प्रोटेक्शन प्राप्त करने के हकदार हैं। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता को नियमित वेतन

श्रृंखला और उसकी जेबीवीएनएल में पूर्व में की गई सेवा का भी लाभ दें। जस्टिस अनूप कुमार डंड ने यह आदेश मयता सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया।

याचिका में अधिवक्ता जोके जोशी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पूर्व में जेबीवीएनएल में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त हुई थी। इसके बाद

में उसने राजकीय सेवा में भाग लिया और कॉलेज शिक्षा में सहायक आचार्य के पद पर उसे नियुक्त दी गई, लेकिन विभाग ने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व में की गई सेवा का लाभ और पे प्रोटेक्शन नहीं दिया। इसे याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि हनी सिंह चौहान के मामले में हाईकोर्ट कह चुका है कि अन्य सेवा से

# बाबू वीर कुंवर सिंह शौर्य जयंती पर गूंजेगा सूर्य किरण एरोबेटिक टीम का शौर्य प्रदर्शन



सारण सांसद एवं पूर्व नागरिक विमानन मंत्री राजीव प्रताप रूडी, जो इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य संयोजक हैं, ने एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों से बैठक की।



स्वीकृति प्रदान की है। यह पहली बार होगा जब बिहार में इस स्तर का हवाई प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

**सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के प्रदर्शन की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु उच्चस्तरीय बैठक**

**राजीव प्रताप रूडी के विशेष प्रयास से कार्यक्रम की स्वीकृति**

**अदालत ने कोविड-19 के दौरान सेवा से हटाए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत दी**

**अन्य स्कूल के हॉस्टल मैस में कर्मचारी थे। कोविड के दौरान हॉस्टल और मैस को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया और इन कर्मचारियों को सेवा समाप्त कर दी गई।** जिसने अधिकरण में कर्मचारियों ने यह कहते हुए चुनौती दी कि उन्हें हटाने से पूर्व शिक्षा निदेशक से मंजूरी नहीं ली गई। इस पर अधिकरण ने 27 सितंबर, 2023 को आदेश देते हुए कर्मचारियों को बहाल कर उन्हें हटाने की तात्पर्य 8 मार्च, 2021 से पचास फीसदी वेतन देने को कहा। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि कर्मचारियों के पदों को समाप्त करने के चलते उन्हें शिक्षा निदेशक से मंजूरी की जरूरत नहीं थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कर्मचारियों को सेवा में बहाल करने को कहा है।